an>

Title:Regarding forge degrees distributed by different universities.

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली) : सभापति जी, मैं एक अति महत्वपूर्ण विÂाय की ओर सरकार का ध्यान आकर्Âिात करना चाहता हूं। हमारे देश में कई फर्जी कालेज चल रहे हैं, लोग फर्जी डिग्रियां ले लेते हैं और कुछ तो विधायक तक बन जाते हैं। दिल्ली के अंदर एक मंत्री ने इसी प्रकार की फर्जी डिग्री ली है, यह मामला कोर्ट के पास विचारधीन है। जिस युनिवर्सिटी की उसे फर्जी डिग्री मिली है, उस युनिवर्सिटी ने कोर्ट में शपथ पत्र देकर कहा है कि यह हमारी युनिवर्सिटी की डिग्री नहीं है। जिस कालेज का उसके पास सर्टिफिकेट है, उस कालेज ने भी मना कर दिया और 1990 से उस कालेज को मान्यता प्राप्त नहीं है। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि इस प्रकार से फर्जी डिग्री लेकर लोग दूसरों के हक मार रहे हैं और वह विधायक दिल्ली सरकार में अभी तक कानून मंत्री के पद पर बैठे हुए हैं। दिल्ली सरकार एनसीआर होने के नाते इसका इंचार्ज उपराज्यपाल होता है। अतः केन्द्र सरकार को तुरंत इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए और उस मंत्री को बर्खास्त करके पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कराकर जेल भेजना चाहिए। ...(व्यवधान) इससे देश की संस्कृति को नुकसान होता है इसलिए ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन होना चाहिए। जो लोग इस तरह से फर्जी डिग्री लेकर कानून मंत्री या उच्च पदों पर बैठे हुए हैं, क्या सरकार इस मामले में सोती रहेगी, इसलिए मेरी मांग है कि ऐसे मंत्री को तुरंत बर्खास्त करना चाहिए और उसे जेल भेज देना चाहिए।

HON. CHAIRPERSON: Shri Bhairon Prasad Mishra, Shri P.P. Choudhary and Shri Nishikant Dubey are permitted to associate with the issue raised by Shri Ramesh Bidhuri.